>

Title: Need to check the damage caused to crops by 'Neel Gai' in Pratapgarh Parliamentary Constituency, Uttar Pradesh.

राजकुमारी रत्ना सिंह (प्रतापगढ़): महोदय, उत्तर प्रदेश के कई जिलों में विशेषकर मेरे संसदीय क्षेत्र प्रतापगढ़ में नील गायों से किसानों की फसल को बहुत नुकसान हो रहा है। मेरे प्रतापगढ़ में 50 हजार नील गाय हैं और आज की तारीख में पूरे उत्तर प्रदेश में साढ़े चार लाख नील गाय हैं। यह नील गायें झुंड में आती हैं और किसानों की साल भर की फसल को तहस नहस कर देती हैं, जिसके कारण कई किसानों को अपने परिवार का लालन-पालन करना मुश्किल हो गया है। इन नील गायों की संख्या लगातार बढ़ने से खेतों की खड़ी फसल को नष्ट करने की घटनायें भी तेजी के साथ बढ़ रही हैं। वन्य जीव के कारण प्रशासन कुछ नहीं कर पा रहा है। गरीब किसान बीज, खाद, सिंचाई में पैसे का निवेश करके महीनों अपना खून-पसीना एक कर खेती करता है और एक ही दिन में नील गायें उनकी फसल खराब कर देती हैं। इससे देश में खाद्यान्न की कमी भी हो रही है और इनकी कीमतें भी बढ़ रही हैं। इन नील गायों का आतंक अब भयानक रूप लेने लगा है।

सदन के माध्यम से सरकार से अनुरोध है कि गरीब किसानों की फसल को नील गायों से बचाने हेतु कड़े कदम उठाने चाहिए जिससे उनकी फसल को बचाया जा सके।